हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 14 मार्च 2025

तापमान
अधिकतम 32.2 डिग्री
न्यूनतम 16.3 डिग्री

11 अशोक कुमार ने संभाला विधि विवि के वीसी पद का अतिरिक्त प्रभार

12 अमेरिकियों से करते थे ठगी नकली कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 9 काबू

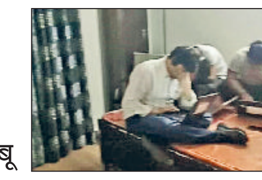

दुल्हेंडी पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध पुलिस के रडार पर रहेंगे हुड़दंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

दुल्हेंडी के दिन पुलिस विभाग की तरफ से चौक-चौराहों व थाना प्रभारियों से अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा पुख्ता इंतजाम किए गए है। रंगों के त्यौहार को शांतिपूर्वक लोग भाईचारे के हिसाब से बना सके उसके लिए पुलिस विभाग की तरफ से चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जायेगी। पुलिस आयुक्त की तरफ से रंगों के त्योहार पर किसी से अभद्रता करने व शराब पीकर हुड़दंग बाजी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए गए है।

पुलिस विभाग की तरफ से राइडर व पीसीआर सहित अधिकारियों की तैनाती: होली के त्योहार को आपसी भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए जिससे दूसरों के स्वाभिमान को ठेस पहुंचे। कुछ लोग होली के मौके पर लड़कियों व महिलाओं के साथ अभद्रता करने में भी पीछे नहीं रहते तथा ग्रामीण क्षेत्र में होली के दिन लड़ाई-झगड़े भी अधिक होते हैं। होली के मौके पर लड़ाई-झगड़े की नौबत न आए और लोग शांति से होली मनाएं इसके लिए पुलिस ने पहले से ही तैयारियां शुरू कर दी है। होली व दुल्हेंडी के दिन के लिए पुलिस की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस ने जिले को अलग-अलग जोन में बांटा है। साथ ही पीसीआर, डायल-112 और बाइक राइडर होली पर गश्त कर हुड़दंगियों की निगरानी करते रहेंगे।

ट्रैफिक पुलिस करेगी अल्कोहल सेंसर से लैस: सभी थाना व ट्रैफिक प्रभारियों को अल्कोहल सेंसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। जिससे वह शराबियों पर नकेल कस सके। साथ ही पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि शराब के नशे में पकड़े गए लोगों को होली पर्व पर काबू किया जाए। साथ ही उनका चालान भी काटा जाए।

वाहन सवारों व लड़कियों पर गुब्बारे न फेंकने की अपील: पुलिस ने हुड़दंग करने वालों को सख्त निर्देश दिए है कि वाहन चालकों व महिलाओं और लड़कियों पर गुब्बारे न फेंके की विभाग की तरफ से अपील की गई है। गुब्बारे फेंकने वालों के खिलाफ पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। साथ ही सार्वजनिक वस्तुओं को नुकसान पहुंचाने वालों से भी सख्ती से निपटा जाएगा। इसके लिए जगह-जगह महिला व पुरुष पुलिस कर्मियों को सादे कपड़ों में भी तैनात किया जाएगा।

- पुलिस ने जिले को अलग-अलग जोन में बांटा, पीसीआर से लेकर राइडर से होगी गश्त, एसपी ने जारी किया आदेश।

सोनीपत। अलग-अलग चौक पर तैनात पुलिस कर्मी व जानकारी देते हुए पुलिस आयुक्त सोनीपत।

थाना प्रभारियों को दिए गश्त बढ़ाने के निर्देश

सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था चौकस करने के लिए गश्त करने के निर्देश दिए हैं। पीसीआर व बाइक राइडरों की विशेष गश्त भी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने सभी जिला वासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए इस त्यौहार को भाईचारे व सौहार्द के साथ मनाने की अपील की है।

-नाजनीन भसीन पुलिस आयुक्त।

तब होली पर खुशी से झूम उठोगे तुम

होली आए और बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! यह मस्ती तभी जमकर हो सकेगी, जब बच्चों को अधिक से अधिक लोगों का साथ मिले। होली हमें उन सब के साथ मनानी चाहिए, जिनके साथ हम अधिक से अधिक समय बिताते हैं, हमारे आस-पास रहते हैं। इससे न सिर्फ इन सबको त्योहार की खुशियां मिलेंगी, हमारी खुशियां भी बढ़कर चहक उठेंगी। होली सेलिब्रेशन में हर किसी का प्यार भरा साथ जरूरी है।

सेलिब्रेशन
प्रखर श्रीवास्तव

आज होली है। बच्चों के लिए मस्ती-धमाल का दिन। एक-दूसरे को रंग लगाना हो या दोस्तों को लाल-पीले, हरे-नीले रंगों से रंगना है, खुद भी रंगों से रंग जाना है। टोली बनाकर हुड़दंग करना है, डांस भी करना है। बच्चों, तुमने भी इस बार होली के लिए अपने दोस्तों के साथ कुछ प्लानिंग जरूर की होगी कि होली कैसे मनाएंगे, ऐसे जमकर धमा-चौकड़ी करेंगे? होली पर तुम अगर कुछ बातों का ध्यान रखोगे तो जरूर यह त्योहार तुम्हें ही नहीं, दूसरों को भी खुशियों से भर देगा, यह होली तुम्हारी यादों में बस जाएगी।

घर से करो शुरुआत

होली की शुरुआत अपने घर से करो। अगर दादा-दादी साथ रह रहे हैं तो सुबह सबसे पहले उनके पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। उन्हें गुलाल लगाओ, उनसे भी अपने माथे पर गुलाल का टीका लगवाओ। होली पर अपने दादा-दादी को कभी नहीं भूलो। त्योहार पर दादा-दादी घर के बच्चों का अपनापन पाकर निहाल हो जाते हैं। इसी तरह अपने पापा-मम्मी के भी पैर छूकर उनका आशीर्वाद लो। इन्हें भी गुलाल लगाना ना भूलना। अपने घर के आस-पास रहने वाले बड़ों से भी जाकर आशीर्वाद लो, खासकर उन वृद्ध लोगों के घर जरूर जाओ, जो अकेले रह रहे हैं, इनके बच्चे किसी दूसरे शहर या विदेश में रह रहे हैं। तुम्हारा साथ पाकर वे खुशी से खिल उठेंगे, ढेर सारा आशीर्वाद देंगे। त्योहार पर बड़ों का आशीर्वाद लेने का मतलब है, सुखी जीवन।

जरूरी है दोस्तों का साथ

होली का असली मजा दोस्तों के साथ ही है। दोस्तों के साथ हम रंग ही नहीं खेलते, खूब मस्ती-धमाल भी करते हैं। इसलिए होली पर अपने हर दोस्त का साथ जरूरी है। बच्चों, होली पर उन दोस्तों को भी साथ लो, जिनसे किसी बात पर तुम्हारी कुछ दिन पहले लड़ाई हो गई थी, बातचीत बंद है। होली के दिन सारे शिकवे-शिकायत भूलकर उनके साथ रंग खेलो, उनसे गले मिलो। ऐसा करके तुम्हें एक अलग ही खुशी मिलेगी, तुम्हारा दोस्त भी खुश होगा। होली पर अपने उन दोस्तों को बिल्कुल न भूलो, जो किसी कारण होली नहीं खेल पा रहे हैं। शिवम को ही देखो, पिछली होली पर जब उसका दोस्त अंकित पैर में फ्रेक्चर होने की वजह से रंग खेलने नहीं आ सका तो शिवम पूरी टोली के साथ उसके घर पहुंच गया। अंकित को जब अपने घर में होली पर दोस्तों का साथ मिला तो उसके चेहरे पर छायी उदासी दूर हो गई। उसने सबको गुलाल का टीका लगाकर होली की खुशियां मनाईं। इसी तरह समीर के भी दोस्त उस साल नहीं भूले, जब होली के एक माह पहले उसके पापा का एकाएक हार्टफेल होने की वजह से देहांत हो गया था, सभी दोस्त समीर के घर इसलिए गए कि वह त्योहार पर दुख में डूबा रहकर अपने आपको अकेला न समझे, उसको कुछ तो खुशी मिले, वह नॉर्मल लाइफ की ओर लौटे। समीर को दुख की घड़ी में अपने प्यारे दोस्तों का साथ पाकर एक बल मिला, त्योहार पर छाया सूनापन दूर हुआ। हां, बच्चों त्योहार इसीलिए होते हैं कि जीवन में छायी उदासी छंटे, खुशी मिले।

इन्हें भी न भूलो

बच्चों, त्योहार की खुशियां जितने ज्यादा लोगों के साथ मनाओगे, उतना ज्यादा अच्छा लगेगा। कहते हैं न कि खुशियां बांटने से बढ़ती हैं। त्योहार सिर्फ परिवार, रिश्तेदार, दोस्तों और पड़ोसियों के साथ ही नहीं, उन लोगों के साथ भी मनाओ, जो अकेले हैं, असहाय हैं, गरीब और जरूरतमंद हैं। नवीन हर साल होली पर अपने दोस्तों के साथ शहर के अनाथालय में जरूर जाता है, जहां ऐसे बच्चे रहते हैं, जिनके मां-बाप नहीं हैं, वे अकेले हैं। नवीन और उसके दोस्त इन अनाथ बच्चों के साथ रंग खेलते हैं, इन्हें होली पर बनने वाली गुझिया, मिठाई और नमकीन बांटते हैं। ये बच्चे त्योहार पर ऐसा प्यारा साथ पाकर बहुत ज्यादा खुश होंगे। उधर अमित और उसकी बहन अनिता भी अपने पापा-मम्मी के साथ घर से कुछ ही दूर पर वृद्धाश्रम में जाकर अकेले रह रहे वृद्धों के बीच होली मनाते हैं, उन्हें गुझिया, मिठाई स्वयं खिलाते हैं, अपनेपन का अहसास देते हैं। बच्चों, बहुत से लोग तो घर के पास बनी झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर उन गरीब, असहाय लोगों के बीच त्योहार की खुशियां मनाते हैं, जिनके पास इतने भी पैसे नहीं होते जो दो वक्त की रोटी खा सकें। इन गरीब परिवारों में तुम्हारे जैसे बच्चे भी होते हैं, त्योहार पर मदद और अपनापन पाकर बेइंतहा खुश होते हैं।

बच्चों, होली पर तुम अपने होम सर्वेंट जैसे मेड, ड्राइवर को ना भूलो, इन्हें होली की मुबारकबाद दो, गुलाल लगाओ। त्योहार के मौके पर तुम इन्हें या इनके बच्चों को कोई प्यारा सा गिफ्ट भी दे सकते हो। ऐसा प्यार-सम्मान पाकर यह बहुत खुश होंगे।

बच्चों, तुम जब इस तरह होली की खुशियां सबके साथ सेलिब्रेट करोगे तो तुम्हें एक बहुत अलग तरह की खुशी मिलेगी, तुम खुशी से झूम उठोगे। हैप्पी होली....! *

इस्तेमाल करो ऑर्गेनिक कलर्स

बच्चों, होली में मस्ती जरूर करो, लेकिन मस्ती में आकर ऐसा भी कुछ मत करना कि रंग में भंग हो जाए, होली का मजा किरकिरा हो जाए। अकसर देखा जाता है कुछ बच्चे ऐसे रंगों का इस्तेमाल करते हैं, जिनमें स्किन को नुकसान पहुंचाने वाले केमिकल्स मिले होते हैं, रंग लगने के बाद काफी दिनों तक परेशानी बनी रहती है। ये केमिकल्सयुक्त रंग आंखों को बहुत ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, इसलिए ऐसे रंग बिल्कुल न इस्तेमाल करो। अब तो बाजार में ऑर्गेनिक कलर मिल रहे हैं, तुम इनका उपयोग कर सकते हो। बच्चों, अपने मम्मी पापा की गाईडेंस में ऑर्गेनिक कलर घर पर भी तुम फूलों, फलों और सब्जियों से बना सकते हो। जब तुम इन ऑर्गेनिक कलर्स का इस्तेमाल करोगे, तुम्हारे दोस्तों को ये कलर्स खूब भाएंगे, क्योंकि ये कलर्स खुशबूदार होते हैं। तुम्हारे दोस्त यही कहेंगे, 'लगाओ... लगाओ और कलर लगाओ न...।'

क्या तुम जानते हो / नयनतारा

बच्चों, क्या तुम जानते हो कि होली के अवसर पर होलिका दहन क्यों किया जाता है और रंग क्यों खेला जाता है? जानो, इन परंपराओं से जुड़ी पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के बारे में।

क्यों मनाते हैं हम होली का त्योहार

बच्चों, तुम्हें होली के त्योहार पर रंग खेलने में बहुत मजा आता होगा। लेकिन क्या तुम जानते हो कि होली का त्योहार क्यों मनाया जाता है? बता रहे हैं विस्तार से।

देश के अधिकतर त्योहारों का संबंध मौसम के बदलने और कृषि से होता है। होली भी इसका अपवाद नहीं है। यह त्योहार जाड़े की समाप्ति का संकेत और फसल काटने की शुरुआत करने का अवसर है, जो फाल्गुन की पूर्णिमा (मार्च माह में) पर वसंत ऋतु में मनाया जाता है। इस त्योहार से पौराणिक कथा भी जुड़ी है। प्राचीन समय में एक असुर राजा था, हिरण्यकश्यप। उसने तप कर असाधारण शक्तियां प्राप्त कर ली थीं। वह अपने को भगवान समझकर अपनी प्रजा पर दबाव डालने लगा कि वह ईश्वर की जगह उसकी पूजा करें। बहुत से लोग डर कर उसकी पूजा करने लगे, लेकिन उसी का पुत्र प्रहलाद, जो एक नेक और सच्चा बालक था, इस गलत बात से सहमत नहीं था। वह न केवल अपने पिता का विरोध करता था बल्कि भगवान विष्णु की पूजा और भक्ति करता था।

फिर हिरण्यकश्यप ने अपने ही पुत्र का वध करने का निर्णय लिया। इस साजिश में उसने अपनी बहन होलिका को भी शामिल कर लिया, जिसे यह वरदान प्राप्त था कि आग उसे जला नहीं पाएगी। इसलिए योजना यह बनाई गई कि होलिका अपनी गोद में प्रहलाद को लेकर बैठेगी, जिससे वह जलकर राख हो जाएगा। लेकिन यह साजिश नाकाम हो गई। अपनी बुआ होलिका की गोद में बैठा बालक प्रहलाद निरंतर भगवान विष्णु का नाम जप रहा था। इस तरह होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। इसीलिए हम होली पर होलिका दहन करते हैं कि अपनी बुराइयों को जलाकर राख कर दो।

जहां तक बात है कि हम होली पर रंग क्यों खेलते हैं? असल में प्राचीन भारत में वसंतोत्सव मनाया जाता था, जिसमें रंग खेले जाते थे। फिर वसंतोत्सव भगवान कृष्ण से जुड़ गया, जो मथुरा वृंदावन में गोपियों के साथ रंग खेलते थे। इसीलिए होली पर कृष्ण-राधा की भी पूजा की जाती है और रंग खेला जाता है। *

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

चटोरे चूहे की कहानी

बच्चों, 'कहानी एक चूहे की' नन्ही-सी चित्र-पुस्तक है। इसमें एक शरारती-आलसी चूहे की छोटी-सी मजेदार कहानी है। इस कहानी में निक्की नाम का एक चूहा है, जो बहुत चटोरा है। उसका स्वभाव भी थोड़ा नकचढ़ा है। उसे अपने मां-पिता की बातें कभी नहीं भाती हैं। अपनी इस आदत की वजह से वह अनहेल्दी चीजें खा-खाकर गोल-मटोल हो जाता है। दौड़ना तो दूर, वह ठीक से चल भी नहीं पाता। इस वजह से अकसर मुसीबत में पड़ता रहता है। इस कहानी में उसके साथ घटी ऐसी ही मुसीबत में घिरने की दो घटनाएं हैं। जिनमें किस्मत से वह बच तो निकलता है, लेकिन फिर वह अपनी गलती पर शर्मिंदा होता है और खुद को बदल डालता है। इस मजेदार कहानी में ऐसे कई घटनाक्रम हैं, जिन्हें पढ़ते हुए तुम खुद को लोट-पोट होने से रोक न सकोगे। पूरी किताब में रंग-बिरंगे चित्र भी बने हैं। *

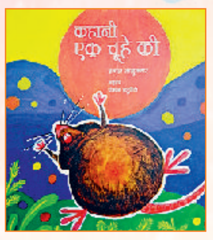

किताब: कहानी एक चूहे की, **लेखन-चित्र**: उत्पल तालुकदार, **अनुवाद**: पंकज चतुर्वेदी, **मूल्य**: 50 रुपए, **प्रकाशक**: राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

हंसगुल्ले

टीचर : 'मुंह में पानी आना' इस मुहावरे का वाक्य में प्रयोग करो।
रोहन : जैसे ही मैंने नल की टोंटी में मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया।
-करण, बिलासपुर

चिंटू-मिंटू फुटबॉल मैच देख रहे थे।
चिंटू : अरे, इतने सारे लोग फुटबॉल को लात क्यों मार रहे हैं?
मिंटू : गोल करने के लिए।
चिंटू : लेकिन फुटबॉल तो पहले से ही गोल है। इसे और कितना गोल करेंगे?
-आशीष, रायपुर

सोनू : मान लो, तुम्हारे पास चार सेब हैं, उनमें से दो सेब मैं ले लूं, तो तुम्हारे पास कितने सेब बचेंगे?
मोनू : चार ही बचेंगे, क्योंकि मैं तुम्हें एक भी सेब नहीं दूंगा।
-चंचल, दुर्ग

जीके क्विज- 145

1. पौराणिक कथाओं के अनुसार हिरण्यकश्यप की बहन का नाम क्या था?
2. लट्ठमार होली कहां खेली जाती है?
3. भारतीय क्रिकेट टीम ने किस देश की टीम को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती है?
4. हाल ही में 'वंतारा एनिमल रेस्क्यू सेंटर' का उद्घाटन कहां किया गया?
5. प्रत्येक वर्ष विश्व जल दिवस कब मनाया जाता है?
6. भारत के किस टेबल टेनिस खिलाड़ी ने पिछले दिनों टेबल टेनिस से संन्यास की घोषणा की?
7. पोंगल किस राज्य का प्रमुख त्योहार है?
8. हवामहल कहां स्थित है?
9. कबड्डी किस देश का राष्ट्रीय खेल है?
10. यूनेस्को का मुख्यालय कहां स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-145 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-144 का उत्तर: 1.पूर्णिमा देवी वर्मन, 2.सर्विसेज, 3.प्रयागराज, 4.रमेन डेका, 5. 8 मार्च, 6.लॉर्ड कैनिंग, 7.राजा राममोहन राय, 8.सुंदरलाल बहुगुणा, 9.शुक्र, 10.मार्कोनी

जीके क्विज-144 का सही उत्तर देने वाले: डॉली-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, कबीर-हिसार, रमेश-कोरबा, दीपिका-हिसार, चेतन-महासमुंद, कल्पना-झज्जर, अमन-बिलासपुर, दीपक-रोहतक, हिमांशु-रायगढ़, शोभित-बिलासपुर, काव्या-बालोद

होली का सबक

होली पर बच्चे मस्ती-धमाल न करें, यह कैसे हो सकता है! बंटी, पिंकी, अर्जुन, गुड्डी और मन्नू ने जब सड़क पर स्कूटर से जा रहे एक अंकल जी को रंग भरे बैलूंस मारे तो वह गिर कर चोटिल हो गए। इस हरकत पर उन्हें डांट न पड़े, इसलिए सारे बच्चे चुपचाप वहां से खिसक लिए। इसके बाद जो हुआ, बच्चों के लिए एक बड़ा सबक था। प्यारी सी कहानी।

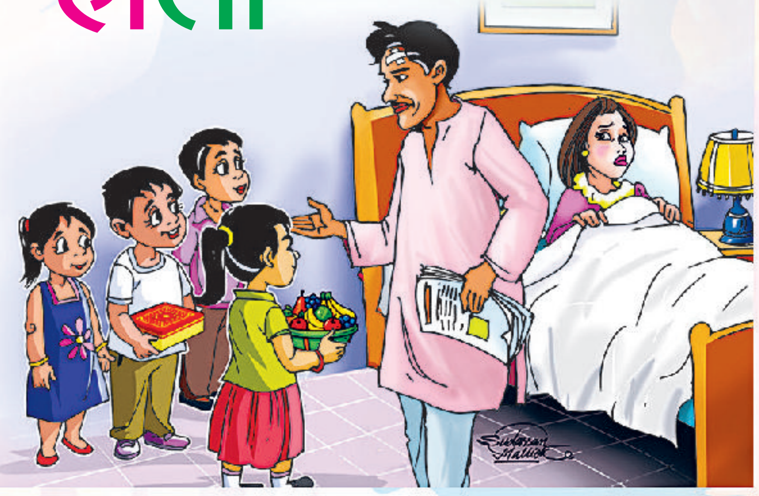

कहानी
सरस्वती रमेश

मन्नू और उसके दोस्तों ने इस बार होली पर जमकर हुड़दंग मचाने की प्लानिंग कर रखी थी। बंटी, पिंकी, अर्जुन और मन्नू ने रंग, पिचकारियों के साथ वाटर बैलूंस भी खरीद लिए। होली खेलने के लिए खास रंगीन कपड़े, टोपी और कमर में बांधने के लिए लाल, पीले चौड़े फीते भी उन्होंने मंगवा लिए थे। मन्नू के साथ होली मनाने के लिए गांव से उसकी चचेरी बहन गुड्डी भी आई थी। गुड्डी बहुत होशियार और बातूनी है। चंद दिनों में ही वह पिंकी, अर्जुन और बंटी की फ्रेंड बन गई। गुड्डी के आने से सब और भी खुश थे।

होली के दिन मन्नू और उसके सारे दोस्त सड़क के पास वाले खाली मैदान में होली खेल रहे थे। सबके चेहरे और कपड़े रंगे हुए थे। मन्नू ने कहा, 'गुड्डी तुम अपनी पिचकारी से बैलून में रंग भरो। हम सड़क से आने-जाने वालों पर बैलून फेकेंगे, खूब मजा आएगा।'

'चलो हम साथ मिलकर बैलूंस में रंग भरते हैं।' पिंकी बोली। सब बैलूंस में रंग वाला पानी भरने में लग गए। तभी बच्चों को सड़क पर स्कूटर से एक अंकल आते हुए दिखाई दिए। 'चलो-चलो.. जल्दी बैलून मारो।' मन्नू बोला। सभी बच्चों ने एक साथ स्कूटर पर आ रहे अंकल को बैलूंस मारना शुरू कर दिया। एक साथ कई सारे बैलून चेहरे पर लगने से अंकल के स्कूटर का बैलेंस बिगड़ गया। वह स्कूटर सहित वहीं गिर पड़े। स्कूटर गिरता देख मन्नू और उसके साथी घबरा गए। अंकल जी को थोड़ी चोट लग गई थी। 'अरे अंकल तो गिर गए! अब तो हमें डांट पड़ेगी, हमारी पिटाई भी हो सकती है।' अर्जुन बोला। 'इससे पहले कि अंकल उठकर हमें पकड़ लें, कोई आकर डांटे, हम तुरंत यहां से भाग चलते हैं।' पिंकी बोली।

'हां, ठीक कह रही हो तुम।' बंटी ने हां में हां मिलाई। सभी बच्चों ने जल्दी-जल्दी अपनी पिचकारी उठाई और वहां से नौ दो ग्यारह हो गए। घर पहुंचकर मन्नू ने मम्मी-पापा को स्कूटर वाले अंकल के बारे में कुछ नहीं बताया। उसे डर था, पापा की डांट खानी पड़ेगी। मन्नू ने मम्मी से पूछा, 'पापा कहां हैं?' 'वो तो कॉलोनी में होली मिलने गए हैं।' मम्मी ने बताया। यह सुनकर मन्नू की जान में जान आई। उसने गुड्डी से कहा, 'पापा जब वापस आएं, तो प्लीज पापा से कुछ बताना नहीं।' 'ठीक है, नहीं बताऊंगी।' गुड्डी ने सहमति में सिर हिला दिया।

मन्नू और गुड्डी ने नहा-धोकर कपड़े बदल लिए। पापा थोड़ी ही देर में वापस लौट आए। वह कुछ बड़बड़ा रहे थे। मम्मी ने पूछा, 'क्या बात है, मूड कुछ खराब लग रहा है आपका? आप इतनी जल्दी सभी से होली मिलकर आ भी गए?' 'अरे, क्या बताऊं, मैं किसी से होली मिलने जा ही नहीं पाया।' पापा खीझे स्वर में बोले। 'क्यों?' मम्मी ने जानना चाहा।

पापा ने गुस्से से बताया, 'पड़ोस के शर्मा जी की पत्नी बीमार हैं। वो उनके लिए दवाइयां लेकर आ रहे थे कि कुछ बच्चों ने अचानक उन्हें गुब्बारे मारने शुरू कर दिए। वह स्कूटर से वहीं गिर पड़े। वो तो मैं उधर से ही गुजर रहा था तो उन्हें उठाकर पास की एक क्लीनिक ले गया। गनीमत है, उन्हें ज्यादा चोट नहीं आई।' 'आजकल के बच्चों में जरा भी मैनर्स नहीं हैं। होली के नाम पर कुछ भी करते हैं।' मम्मी भी थोड़ा गुस्से से बोलीं। मन्नू और गुड्डी दरवाजे के पीछे से यह सब सुन रहे थे। अब उन्हें अपने किए पर बहुत पछतावा हो रहा था। गुड्डी ने कहा, 'हमें चलकर शर्मा अंकल से माफी मांगनी चाहिए।' 'तुम ठीक कहती हो। अंकल को हमारी वजह से इतनी तकलीफ हो गई।' मन्नू बोला। शाम को बंटी, पिंकी, अर्जुन, मन्नू, गुड्डी सभी बच्चे शर्मा अंकल के घर गए। आंटी बीमार थीं, बच्चे इसलिए अपने साथ थोड़ा फल भी ले गए। 'अंकल जी, हमें माफ कर दीजिए। हमसे गलती हो गई।' मन्नू बोला। शर्मा अंकल को समझते देर न लगी, वह बोले, 'अच्छा तो बैलूंस मारने वाले शैतान बच्चे तुम सब हो।' अंकल की बात सुन सभी बच्चों के सिर नीचे झुक गए।

'तुम तो रजत के बेटे हो न?' शर्मा अंकल ने मन्नू की तरफ देखते हुए पूछा। 'जी अंकल।' मन्नू बोला। 'तुम्हारे पापा ने उस समय मेरी बड़ी मदद की। चलो मैं तुम लोगों को माफ करता हूं। लेकिन आगे से इस बात का ध्यान रखना कि कभी होली के नाम पर ऐसी शरारत नहीं करना कि किसी को चोट लग जाए, वह परेशान हो।' अंकल ने बच्चों को समझाया। 'हम समझ गए अंकल। हमें सबक मिल गया है। आगे से हम ऐसा कभी नहीं करेंगे।' सभी बच्चे बोले। बंटी ने फलों की टोकरी अंकल की तरफ बढ़ाते हुए कहा, 'यह आंटी के लिए, हम सब की तरफ से!'

'अरे वाह! तुम लोग तो बहुत समझदार बच्चे हो। मुझे उम्मीद है कि तुम सब बड़े होकर अच्छे इंसान बनोगे।' शर्मा अंकल खड़े होते हुए बोले। उन्होंने सभी बच्चों के माथे पर गुलाल का टीका लगाकर 'हैप्पी होली' कहा। साथ ही बच्चों के सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद भी दिया। आंटी ने बच्चों को चॉकलेट्स भी दिए। *

कविता
राजा चौरसिया

होली रंग-रंगीली

इंद्रधनुष जैसे रंगों से
दिखती छटा छबीली।
गांवों से लेकर शहरों तक
होली रंग-रंगीली।।
वासंती मौसम के चलते
कितने सुंदर फूल खिले हैं।
नए-पुराने सब हंस-हंस कर
हाव-भाव से गले मिले हैं।।
चारों ओर गुलाल उड़ रही
सरसों फूली पीली।
हो जाती है सबकी सूरत
पिचकारी से गीली।।
गूंज रहे हैं ढोल-ढमाके
ठुमक-ठुमक कर लोग नाचते।
हंसी-ठिठोली रहे परस्पर
होती रहें चुलबुली शरारतें।।
मनहूसी तो फुर्र हुई है
या फिर हालत ढीली।
कहती हर बस्ती तनाव को
टीली-लीली-लीली।।

अंतर बताओ

बच्चों, यहां होली की मस्ती कर रहे बच्चों के एक जैसे दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इन दोनों चित्रों में पांच अंतर हैं। तुम्हें दो मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

सही रास्ता बताओ

बच्चों, मोनू को होली खेलने के लिए रंग और पिचकारी चाहिए, लेकिन जिस जगह ये दोनों सामान रखे हैं, वहां तक पहुंचने का रास्ता बहुत टेढ़ा-मेढ़ा है। तुम जरा मोनू को रंग और पिचकारी वाली जगह तक पहुंचने में मदद तो करो।

खबर संक्षेप

साउथ पॉइंट स्कूल में रही होली पर्व की धूम

सोनीपत। साउथ पॉइंट स्कूल में वीरवार को रंगों का त्योहार होली धूमधाम से मनाया गया। विद्यार्थियों ने शिक्षक स्टाफ संग रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समा बांध दिया। विद्यार्थियों ने भक्त प्रह्लाद व कृष्ण लीला का मनोहारी मंचन कर सबको भाव विभोर कर दिया। अध्यापक-अध्यापिकाओं ने विद्यार्थियों संग होली खेलकर एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाते हुए बधाई दी। साउथ पॉइंट ग्रुप के चेयरमैन दिलबाग सिंह खत्री ने सभी को रंगों के पर्व की बधाई दी।

बदल सकता है मौसम गेहूं की सिंचाई न करें

गोहाना। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के एसडीओ डा. राजेंद्र प्रसाद मेहरा ने कहा कि शुक्रवार से मौसम बदल सकता है। चौ. चरण सिंह कृषि विश्व विश्वविद्यालय की तरफ से इस संबंध में चेतावनी जारी की गई है। शुक्रवार से रविवार तक कहीं-कहीं गरज चमक के साथ बूंदाबांदी और हल्की वर्षा की संभावना है। किसान फिलहाल सिंचाई न करें।एसडीओ के अनुसार पिछले एक सप्ताह से तापमान बढ़ा है। दिन के साथ रात का तापमान भी बढ़ा है।

दो किसानों के खेतों से मोटर चोरी, केस

गोहाना। गांव भैंसवाल कलां से दो किसानों के खेतों से मोटरें चोरी कर ली गईं। सदर थाना में अज्ञात के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। कृष्ण ने पुलिस को बताया कि वह खेती करता है। वह मंगलवार को खेत में गया था और वहां लगे ट्यूबवेल व दूसरे सामान को संभालकर आया था। समान ठीक था। बुधवार को खेत में गया तो सोलर प्लांट के साथ लगाई गई मोटर नहीं मिली। खेत के पड़ोसी प्रदीप के खेत से भी मोटर चोरी की गई। अपने स्तर पर तलाश की सुराग नहीं लगा।

आर्थिक परेशानी, घरों से त्योहार की खुशियां गायब

एटीएम, बीटीएम व क्लर्क को नौ महीने से वेतन नहीं, जताया रोष

केंद्र और राज्य सरकार को 60:40 अनुपात में देना होता है बजट

वेतन के लिए विभाग की हाई अथॉरिटी से लेकर मुख्यमंत्री तक लगा चुके गुहार, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में आत्मा योजना के तहत कार्यरत एटीएम, बीटीएम और क्लर्क को पिछले 9 महीने से वेतन नहीं दिया गया है। वेतन न मिलने से ये कर्मचारी भारी आर्थिक परेशानी से जूझ रहे हैं और इनके घरों से त्योहारों की खुशियां भी गायब हो गई हैं। आर्थिक परेशानी से इनको अपने घर का गुजारा चलाने के लाले पड़े हुए हैं।

एटीएम (सहायक तकनीकी प्रबंधक) कृष्ण खासा ने बताया कि एटीएम, बीटीएम और क्लर्क को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा 60:40 अनुपात में बजट देना होता है। ये कर्मचारी केंद्र व राज्य सरकार दोनों के लिए काम करते हैं। किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए जागरूक करना, क्रॉप कटिंग, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम किसान निधि, कृषि मेले और फसल पंजीकरण सहित अन्य कार्यों में ये अपनी सेवाएं देते हैं। तन न मिलने से ये कर्मचारी भारी आर्थिक परेशानी से जूझ रहे हैं और इनके घरों से त्योहारों की खुशियां भी गायब हो गई हैं। आर्थिक परेशानी से इनको अपने घर का गुजारा चलाने के लाले पड़े हुए हैं।एटीएम मुकेश व पिंकी के अनुसार ये कर्मचारी पिछले 9 महीने से वेतन के लिए तरस रहे हैं। वेतन के लिए विभाग की हाई अथॉरिटी से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। आर्थिक तंगी से घर चलाना मुश्किल हो गया है और वे त्योहारों की खुशियां भी नहीं मना पा रहे हैं।

गोहाना। विभाग व सरकार से वेतन की गुहार लगाते हुए एटीएम।

सीए पवन गुप्ता बने जनता अस्पताल के प्रधान

सोनीपत। स्टेट रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज चंडीगढ़ (हरियाणा) ने अपने फैसले में जिला रजिस्ट्रार द्वारा 8 अक्टूबर 2024 को दिए गए फैसले को निरस्त कर दिया है। जिसके बाद सीए पवन गुप्ता जनता अस्पताल के प्रधान बन गए हैं। इसके अलावा अन्य पदों पर भी पदाधिकारी चुने गए हैं। बता दें कि जिला रजिस्ट्रार ने चुनाव अधिकारी द्वारा कुछ नामांकन अधूरे होने के कारण रद्द कर दिए गए थे लेकिन नामांकन रद्द किए गए उम्मीदवारों ने जिला रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज सोनीपत को शिकायत की थी। जिस पर जिला रजिस्ट्रार ने दिनांक 8 अक्टूबर 2024 को अपने फैसले में सबको चुनाव लड़ने के लिए मान्य कर दिया था। इसके बाद सीए पवन गुप्ता ने स्टेट रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज चंडीगढ़ हरियाणा के यहां अपील दायर की थी और पूरी सुनवाई के बाद स्टेट रजिस्ट्रार ऑफ सोसायटीज चंडीगढ़ हरियाणा ने पवन गुप्ता द्वारा की गई अपील पर निर्णय सुनाते हुए जिला रजिस्ट्रार सोनीपत के आदेश को निरस्त कर दिया है।

80 प्लस आयु वर्ग में रामदिया ने जीते दोहरे पदक

गोहाना। बैंगलोर में कंर्टेवा स्टेडियम में सम्पन्न 45वीं राष्ट्रीय वेटरन प्रतियोगिता में अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग खिलाड़ी सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रो. रामदिया जाटायन ने 2 स्वर्ण पदक जीत कर युवा पीढ़ी में खेलों में आगे बढने के लिए जोश भरा है। वे गांव धनाना निवासी हैं। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहकर पढ़ाई के साथ खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। एसएआई (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया) द्वारा 4 से 9 मार्च तक उक्त प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 22-23 प्रांतों से करीब 3 हजार खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की। प्रो. रामदिया जाटायन ने इस प्रतियोगिता में 80 प्लस आयु वर्ग में 5 किलोमीटर दौड़ और 5 किलोमीटर वाक दौड़ में दो स्वर्ण पदक हासिल किए। उन्होंने कहा कि इस उम्र में खेलों में भाग लेने के पीछे उनका ध्येय केवल युवा पीढ़ी को खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।

पदमश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. देशवाल का विस अध्यक्ष ने स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मान

- अध्यक्ष से सम्मान मिलने पर जताया विधायक कृष्णा गहलावत का आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

राई। विधानसभा अध्यक्ष पद्मश्री डॉ सन्तराम देशवाल को स्मृति चिन्ह देते साथ में विधायक कृष्णा गहलावत। फोटो :हरिभूमि

लोक साहित्य एवं संस्कृति, शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट कार्यों के कारण पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ सन्तराम देशवाल को हरियाणा विस सत्र के दौरान विस अध्यक्ष हरविंदर सिंह कल्याण द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मान दिया गया। देशवाल ने इसके लिए विस अध्यक्ष व राई विधायक कृष्णा गहलावत का आभार व्यक्त किया। विधायक गहलावत ने डॉ. देशवाल को बधाई दी। विधायक गहलावत ने बताया कि डॉ. सन्तराम हरियाणा के पहले ऐसे विद्वान व हरियाणावासी हैं, जिनको पहली बार हरियाणा की लोक-संस्कृति, हरियाणा के लोकसाहित्य और हरियाणा की लोकभाषा 'हरियाणवी ' के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पद्मश्री पुरस्कार दिया गया था। डॉ सन्तराम ने 30 पुस्तकें लिखकर हिन्दी साहित्य, हरियाणवी लोकसाहित्य, हरियाणा की लोक-संस्कृति और हरियाणवी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन में विशिष्ट योगदान दिया है। इन पुस्तकों में हिन्दी साहित्य की पुस्तकों के अलावा 8 ललित निबंध संग्रह,सात लोकसाहित्य और लोक-संस्कृति की पुस्तकें, तीन हरियाणवी भाषा की पुस्तकें काफी चर्चित हुई हैं।

विस बजट सत्र के प्रश्न काल में सोनीपत के गोहाना रोड आरओबी का मुद्दा गूंजा

- गलत डिजाइन से शहरवासियों को हो रही परेशानी, दो हिस्सों में बंटा शहर : मदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में वीरवार को प्रश्न काल के दौरान विधायक निखिल मदान ने गोहाना रोड आरओबी से जुड़ा प्रश्न रखा। विधायक निखिल मदान ने कहा कि पूर्व में बने रेलवे ओवरब्रिज के गलत डिजाइन और तकनीकी खामियों के चलते आज सोनीपत शहर दो हिस्सों में बंट कर रह गया है। इस आरओबी से लोग मिशन चौक की तरफ नीचे उतर तो सकते है लेकिन वहां से आरओबी पर चढ़ना निषेध है, इसके चलते लोगों को आगे से ककरोई चौक पर जाकर घूम कर आना पड़ता है। जिसके चलते लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ता है और आर ओ बी के नीचे जाम की स्तिथि भी बनती है। उनका सरकार से यही अनुरोध है कि इस आरओबी को मिशन चौक की तरफ से चौड़ा किया जाए ताकि लोगों की परेशानी दूर हो सके और दोनों तरफ से आवागमन शुरू हो सके। विधायक निखिल मदान के प्रश्न का जवाब देते हुए लोक निर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा ने विधानसभा में उत्तर दिया कि वो सोनीपत वासियों की परेशानी को समझते हैं और उसके स्थाई समाधान को लेकर गंभीर है। आरओबी को चौड़ा करने के लिए एक बार जगह का सर्वेक्षण करवाने की जरूरत है। इसके लिए विभाग के मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता स्थानीय विधायक निखिल मदान के साथ आरओबी का निरीक्षण करेंगे और आगे की कार्यवाही की जाएगी।

अशोक कुमार ने संभाला विधि विवि के कुलपति पद का अतिरिक्त प्रभार

अशोक का कुलसचिव प्रो . आशुतोष मिश्रा पुष्प गुच्छ देकर सम्मान करते।

राई। खेल विवि, राई के कुलपति एवं पूर्व आईपीएस अशोक कुमार ने डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विवि, सोनीपत के कुलपति के पद पर अतिरिक्त प्रभार ग्रहण कर लिया गया है। विवि के कुलसचिव प्रो. आशुतोष मिश्रा ने फूलों का गुलदस्ता भेटकर स्वागत किया और उनको विधि विवि का कुलपति पद पर नियुक्त होने पर शुभकामनाएं दी। कुमार ने हरियाणा के राज्यपाल एवं कुलाधिपति तथा हरियाणा सरकार के द्वारा विधि विवि का अतिरिक्त प्रभार देने पर आभार व्यक्त किया। इस मौके पर राई खेल विश्वविद्यालय के कुलसचिव जसविन्द्र सिंह, डॉ. पूजा जायसवाल, दलपत सिंह वित्त अधिकारी, राजेश कुमार, अधीक्षक, संदीप मलिक आदि मौजूद रहे।

खरखौदा होली विशेषांक

राज्य सरकार ने जारी किया निलंबन आदेश

अमेरिकियों से करते थे ठगी नकली कॉल सेंटर का भंडाफोड़, 9 आरोपित गिरफ्तार

लेक ग्रोव सोसाइटी में चौथी मंजिल के फ्लैट में चल रहा था कॉल सेंटर, गिरफ्तार आरोपियों में चार सेंटर संचालकों के साथ एक युवती भी शामिल, दो युवक 30 हजार व बाकी 15 हजार रुपये मासिक वेतन और कमिशन पर करते थे काम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कुंडली थाना क्षेत्र में फर्जी कॉल सेंटर चलाकर अमेरिकी नागरिकों को ठगने के गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मामले में चार संचालकों सहित नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। वारदात में एक युवती भी शामिल थी। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है।

जानकारी अनुसार लेक ग्रोव सोसाइटी की चौथी मंजिल पर एक फ्लैट में शुभम भारद्वाज, कर्ण और निशांत व एक अन्य मिलकर फर्जी कॉल सेंटर चलाने की सूचना मिली थी। पुलिस ने फ्लैट में छापेमारी की तो वहां आठ युवक और एक युवती को काबू किया गया।। प्राथमिक जांच में सामने आया कि आरोपित अमेरिकी नागरिकों से लैपटॉप के जरिए काल कर रहे थे। आरोपित शुभम, निशांत और कर्ण एक अन्य का यह काल सेंटर बराबर की साझेदारी में चलाते है।

सूरज और अमन जोगी 30 हजार रुपये सैलरी और कमीशन पर काम करते थे। इनके अलावा अनिकेत, मानसी, चिराग शर्मा, आशीष, अमन और ध्रुव डायलर का काम करते थे, जिन्हें 15 हजार रुपये का वेतन और कमीशन मिला था। पुलिस ने आरोपितों के पास से सात लैपटॉप और 10 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। विपुल के मोबाइल से विदेशी नागरिकों की काल लिस्ट, इमिग्रेशन की लिस्ट, गिफ्ट एपल और यूएसडीटी ट्रांजेक्शन के फोटो मिले है। आरोपितों के खिलाफ कुंडली थाने में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

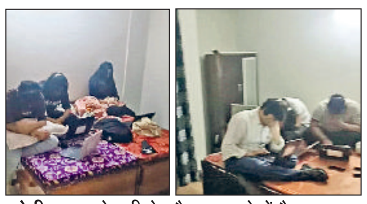

सोनीपत। छापेमारी के दौरान कमरे में बैठकर ठगी करते हुए आरोपित। फोटो : हरिभूमि।

गुप्त सूचना पर मारा छापा

गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई है। जिसमें कॉल सेंटर के जरिए ठगी करने के गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। मामले में नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

-देवेंद्र सिंह, एसएचओ कुंडली थाना।

फोने हैक होने और डिपोर्ट का डर दिखाकर करते थे ठगी

आरोपित टोल फ्री नंबर 18332387409 पर माइक्रो एसआइपी और एक्स-लाइट के जरिये अमेरिकी नागरिकों या अमेरिका में बसे भारतीय सहित अन्य देशों के नागरिकों को काल करते थे। बैंक और एप्पल कस्टमर केयर से बताकर उन्हें फोन हैक होने और डिपोर्ट का डर दिखाते थे। गिफ्ट कार्ड के जरिये भी ठगी होती थी।

अवैध शराब और बियर से भरी पिकअप पकड़ी

गोहाना। सदर गोहाना की पुलिस ने अवैध शराब और बियर की पेटियों से भरी पिकअप पकड़ी। पिकअप में 75 पेटी बियर व 95 पेटी अंग्रेजी शराब की मिली। शराब व बियर की कीमत लगभग साढ़े पांच लाख रुपये है। पिकअप को गांव नूरनखेड़ का समुंद्र चला रहा था, लेकिन वह परमिट पेश नहीं कर पाया। पुलिस ने आबकारी विभाग के निरीक्षक को मौके पर बुलाया। आरोपित के विरुद्ध केस दर्ज किया गया। आबकारी निरीक्षक संदीप ने बताया कि उनके पास सदर थाना के एसआइ ने फोन किया और बताया कि सोनीपत रोड स्थित गांव बड़ौता के निकट पिकअप रुकवाई गई है। पिकअप में अवैध शराब भर रखी है। वे मौके पर पहुंचे और पुलिस के साथ पिकअप की जांच की। पिकअप को गांव नुरनखेड़ा का समुंद्र चला रहा था। उसने बताया कि वह गोहाना ठेका से सोनीपत ठेका पर शराब लेकर जा रह है। यह शराब ठेकेदार सुधीर की है। वह परमिट पेश नहीं कर पाया। गाड़ी में विभिन्न मार्कों की बियर व अंग्रेजी शराब की पेटियां भरी गई थी। पिकअप से बियर की 75 पेटी और अंग्रेजी शराब की पेटी 95 पेटी बरामद की। पिकअप को भी कब्जे में लिया गया।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटी

खरखौदा। सांपला चौक बाईपास पर गुरुवार शाम ईंट भट्ठा के मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्राली असंतुलित होकर सड़क किनारे पलट गई। ट्राली में करीब 20 मजदूर व उनके बच्चे सवार थे। गनीमत रही कि ट्राली पेड़ से टकरा गई, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। हालांकि, मजदूर गोरे गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे पीजीआई, रोहतक रेफर किया गया। कंसाला ईंट भट्ठे के मजदूर होली की खरीदारी के लिए खरखौदा आए थे। शाम करीब छह बजे वापसी के दौरान चालक का संतुलन बिगड़ने से हादसा हुआ। अन्य मजदूरों को हल्की चोटें आईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

स्कार्पियो की टक्कर से आटो पलटा

गोहाना। रोहतक-पानीपत हाईवे स्थित रुखी चौक के निकट स्कार्पियो की टक्कर से आटो पलट गया और उसमें सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया। बरोदा थाना में केस दर्ज किया गया। रोहतक में काठ मंडी पुल के निकट रहने वाले गौरव ने पुलिस को बताया कि वह फ्लैक्स लगाने का काम करता है। वह अपने रोहतक के साथी रवि कुमार, तरुण, राजेश के साथ आटो में रोहतक से गोहाना आ रहे थे। आटो को राजेश चला रहा था। जब वे रुखी चौक के पास पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार में आई स्कार्पियो ने आटो को टक्कर मार दी।

अस्पताल जा रही महिला बस की चपेट में आई, पीजीआई रेफर

सोनीपत। सोनीपत-बहालगढ़ रोड पर पड़ोसी महिला के साथ अस्पताल में उपचार के लिए जा रही महिला सड़क हादसे में बस की चपेट में आ गई। हादसे में रोडवेज चालक बस को लेकर फरार हो गया। घायल महिला को राहगीरों की मदद से उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में लाया गया।

जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। ईदगाह कॉलोनी निवासी साहिबा भाई के साथ अस्पताल में पड़ोसन का उपचार करवाने के निकली थी। सोनीपत-बहालगढ़ रोड पर हनुमान मंदिर के सामने रोडवेज बस ने उनके दुपहिया वाहन को टक्कर मार दी। जिससे साहिबा बस के नीचे आने से घायल हो गई। बस चालक बस को लेकर फरार हो गया। राहगीरों की मदद से उसे नागरिक अस्पताल में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने बस चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। पुलिस बस चालक की तलाश कर रही है।

शपथ से पहले एक्शन मोड में मेयर, रात को लिया सफाई का जायजा

1 रात करीब साढ़े 11 बजे कच्चे क्वार्टर, महलाना रोड, रोहतक रोड, सुभाष चौक सहित शहर के विभिन्न मोहल्लों व बाजारों में घूमकर लिया जायजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मेयर का चुनाव जीतने के बाद बुधवार देर रात भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव जैन पूरे एक्शन मोड में दिखाई दिए। सोनीपत नगर निगम के नए मेयर के रूप में उन्होंने शहर की रात में होने वाली सफाई कार्यों का जायजा लिया और सफाईकर्मियों से मुलाकात भी की। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मचारी स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ हैं। उनके बिना स्वच्छ सोनीपत की कल्पना नहीं की जा सकती। सफाईकर्मियों के साथ बातचीत करते हुए सफाई और स्वच्छता बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया और विश्वास दिलाया कि वह सफाई कर्मियों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। हमें अभी और मेहनत करनी है और सोनीपत को स्थानीय जनता के सहयोग से स्वच्छ बनाना है। मेयर राजीव जैन ने सफाईकर्मियों को भरोसा दिया कि प्रदेश सरकार उनके हितों का पूरा ख्याल रखेगी।

राजीव जैन ने रात करीब साढ़े 11 बजे कच्चे क्वार्टर, महलाना रोड, रोहतक रोड, सुभाष चौक सहित शहर के विभिन्न मोहल्लों व बाजारों में रात में होने वाली सफाई कार्यों का जायजा लिया और सफाईकर्मियों से मुलाकात भी की।